'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी'

# अग्रिमा

सत्र : 2019-20

**चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी०जी० कॉलेज, गोरखपुर (उ०प्र०)**
**(नैक प्रत्यायित)**

'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी'

पूजनार्थमहाभागापूजाहम् गृहमदीप्तयः।
स्त्रियंगेहेसुनाविशेषोअस्तिकाशनः।।

# अग्रिमा

## सत्र : 2019–20

### सम्पादक मण्डल :-

| | | |
|---|---|---|
| मुख्य सम्पादक | : | डॉ० रेखा श्रीवास्तव |
| सह सम्पादक | : | डॉ० वीरेन्द्र कुमार गुप्त |
| | | डॉ० प्रियतोष कुमार मिश्र |
| सदस्य | : | डॉ० विजयलक्ष्मी मिश्रा |
| | | डॉ० सुमन सिंह |
| | | श्रीमती अंजली शुक्ला |
| | | कु० श्वेता (छात्रा) |


**चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी.जी. कालेज,**
**गोरखपुर (उ.प्र.)**

Website : www.crdpgcollege.co.in • E-mail : crdpgcollege.gkp@gmail.com
Contact No. : 9454298726


Scanned with OKEN Scanner

# कुलगीत

ज्ञान की पावन धरा यह वन्दना की भूमि
गुरु जी की साधना आराधना की भूमि।
ज्ञान को करते नमन मेधावियों की अवलिया
त्याग और तपस्या ही है इस धरा की सिद्धियाँ।

ज्ञान की पावन .................

ज्ञान अर्जन की सृजन की रंजना की भूमि
कर्म [illegible] रमी यह वन्दना की भूमि।

[illegible] पावन .................

वाग् देवी की धरा यह शान्ति का प्रतीक है
नित्य नूतन कर्म होते प्रखर और पुनीत है।

ज्ञान की पावन .................

चन्द्र की कान्ति सदृश्य यह वन्दना की भूमि
ज्ञान की पावन धरा यह साधना की भूमि।

ज्ञान की पावन .................

कर्म का करते वरण सब भावना में लीन है
स्वप्न को मिलते यहाँ नित्य कर्म पंख नवीन है।

ज्ञान की पावन .................

गुरुजनों की ज्ञान वाणी से प्रकाशित यह धरा
कर्मवीरों की धरा यह ज्ञान वीरों की धरा।
रामरक्षा की धरा यह साधना की भूमि॥

ज्ञान की पावन .................

Scanned with OKEN Scanner

# सम्पादकीय



नारी विश्वस्रष्टा है, सृष्टि उसकी संरचना, कला एवं कृति है। वह स्वयं में प्रेरणा का स्रोत तथा परिवार की संरक्षिका एवं संचालिका है। सच तो यह है कि वह न केवल समाज की मूलभूत इकाई बल्कि देश का गौरव एवं अभिमान है। आज की नारी ज्ञान विज्ञान के साथ ही जीवन के प्रत्येक क्षेत्र यथा-शिक्षा, चिकित्सा, सेना, प्रशासन, उद्योग, इन्जीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी आदि में 'अग्रिमा' बन अपना परचम लहरा रही है।

1990 में स्थापित यह महिला महाविद्यालय भी नारी जागरण एवं उत्थान की संकल्पना को चरितार्थ करते हुए एक सुनिश्चित कार्य योजना के तहत निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है एवं आज दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर से सम्बद्ध महाविद्यालयों की श्रेष्ठता सूची में सम्मिलित है।

इस महिला महाविद्यालय का उद्देश्य छात्राओं में ज्ञान, बोध एवं कौशलों का संवर्द्धन करते हुए उनमें मानवीय मूल्यों को पोषित कर उन्हें एक अच्छा मानव एवं देश का योग्य नागरिक बनाना है। इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु महाविद्यालय छात्राओं में अन्तर्निहित विविध गुणों एवं क्षमताओं के प्रस्फुटन हेतु प्रयासरत रहता है।

इस श्रृंखला में विभिन्न शैक्षणिक एवं शिक्षणेत्तर गतिविधियों के साथ ही छात्राओं की लेखन प्रतिभा एवं रचनाधर्मिता को मुखरित, पुष्पित एवं [illegible] करने के ध्येय से प्रतिवर्ष वार्षिक पत्रिका 'अग्रिमा' का प्रकाशन किया जाता है। 'अग्रिमा' का यह अंक [illegible] रचनात्मकता में संवर्द्धन के साथ ही उनमें लेखन कौशल विकसित करेगा एवं पाठकजन को भी रोचक [illegible] लगेगा, ऐसा हमारा विश्वास है।

'अग्रिमा' के इस अंक में एक [illegible] शिक्षकों के विषयगत सारगर्भित मौलिक लेख है, तो दूसरी तरफ साहित्य की विभिन्न विधाओं पर आधारित छात्राओं की रचनाएं हैं। वर्ष भर महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न गतिविधियों को छायाचित्र के माध्यम से प्रदर्शित करने का प्रयास किया गया है।

किसी भी पत्रिका का सम्पादन व्यक्तिगत नहीं होता, इसमें उन सभी लेखकों, शुभचिन्तकों एवं सलाहकारों का सहयोग रहता है जिनके अमूल्य विचार एवं सुझाव से पत्रिका वर्तमान कलेवर प्राप्त करती है। 'अग्रिमा' के इस अंक में अपने लेख और रचनाएं देकर इसे सुरूचिपूर्ण और समृद्ध बनाने में योगदान देने हेतु सम्पादक मण्डल सम्बन्धित सभी प्राध्यापक मित्रों एवं छात्राओं का मुक्त हृदय से आभार व्यक्त करता है। पत्रिका की विषय सामग्री एवं कलेवर हमारे पाठकजन को यदि किन्चित भी पसन्द आई तो यह हमारे सम्पादक मण्डल का सौभाग्य होगा।

यह हमारे लिये अत्यंत दुःखद रहा कि काल के प्रवाह ने गत वर्ष महाविद्यालय के संस्थापक, संरक्षक, हम सभी के मार्गदर्शक एवं प्रेरणास्रोत परम श्रद्धेय 'गुरू' जी को हमसे विलग कर दिया। गुरू जी का जाना उस वटवृक्ष के अवसान के समान रहा जिसकी शून्यता को भरना दीर्घकाल तक सम्भव नहीं होगा। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा हम सभी को गुरूजी द्वारा बताये आदर्शों पर चलने का सामर्थ्य प्रदान करें।

श्रद्धांजलि स्वरूप 'अग्रिमा' का यह अंक उन्हें समर्पित है।

आपकी स्नेहाकांक्षी

**डॉ. रेखा श्रीवास्तव**

(मुख्य सम्पादक)

Scanned with OKEN Scanner

# ''जीवन यात्रा''

'गुरू जी' की संज्ञा से विभूषित एवं कर्मठता की साक्षात् प्रतिमूर्ति डॉ० रामरक्षा पाण्डेय जी का जन्म 01 अगस्त सन् 1938 को उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जनपद के चौरादीगर नामक ग्राम में हुआ। आपके पिता का नाम श्री फुलेश्वर पाण्डेय तथा माता का नाम श्रीमती सुमित्रा देवी था। आपने वर्ष 1954 में पावानगर इण्टर कॉलेज, फाजिलनगर से हाईस्कूल एवं वर्ष 1956 में यू०एन०के० इण्टर कॉलेज, पडरौना से इण्टरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की। भाषा, साहित्य, खगोल, ज्योतिष, मनोविज्ञान में आपकी विशेष रुचि थी। गोरखपुर विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त करते हुये आपने संस्कृत विषय में एम०ए० एवं पी०एच०डी० की उपाधि प्राप्त की। अपनी मेहनत एवं लगन से आपने अनेक उपाधियाँ प्राप्त की। वर्ष 1960 में जूनियर टीचर सर्टिफिकेट, वर्ष 1970 में लाइसेन्सिएट इन टीचिंग (एल.टी.) तथा वर्ष 1976 में दक्षिण भारतीय तेलुगु भाषा में डिप्लोमा हासिल किया। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, काशी से आपने परम्परागत संस्कृत में वर्ष 1969 में शास्त्री तथा 1972 में आचार्य की उपाधि प्राप्त की।

उच्च शिक्षा अर्जन से लेकर अध्यापकीय सेवा तक आपने गोरखपुर को अपनी कर्मस्थली के रूप में चुना। आरम्भ में वर्ष 1963 में डी०ए०वी० इण्टर कॉलेज में संस्कृत प्रवक्ता पद पर कार्यभार ग्रहण किया। उसके बाद वर्ष 1973 में डी०ए०वी० डिग्री कॉलेज की संस्थापना होने पर संस्कृत विभाग में प्रवक्ता के पद पर नियुक्त हुये और उपाचार्य (एसोसिएट प्रोफेसर) पद पर कार्य करते हुये वर्ष 1998 में सेवा निवृत्त हुये। आपका अध्यापकीय जीवन अत्यधिक अनुशासित, आकर्षक एवं प्रेरणादायी रहा। परन्तु यह काल खण्ड उनके जीवन का सिर्फ एक पहलू मात्र है, क्यूंकि जीवन की वास्तविक सार्थकता को उन्होंने इसके बाद सिद्ध किया।

''गुरू जी'' ने अपने सेवाकाल के दौरान गोरखपुर में बालिका शिक्षा के लिए समर्पित संस्थान की कमी महसूस की और यह अनुभव किया कि इसके बिना बहुत सारे अभिभावक अपनी बालिकाओं को उच्च शिक्षा नही दिला पा रहे हैं। इस सामाजिक आवश्यकता की पूर्ति के लिए अपनी सीमित क्षमता किन्तु भगीरथ प्रयास के बल पर धर्मपत्नी श्रीमती चन्द्रक्रांति देवी एवं उनकी माता श्रीमती रमावती देवी की प्रेरणा से सन् 1990 में ''चन्द्रकांति रमावती देवी आर्य महिला ''कॉलेज'' की आधारशिला रखी, जिसे इस परिक्षेत्र का प्रथम महिला महाविद्यालय होने का गौरव प्राप्त हुआ।

गुरूजी भारतीय सभ्यता-परम्परा एवं आर्य संस्कृति के पोषक थे। स्त्री शिक्षा एवं संस्कार के प्रति गुरूजी स्वामी दयानन्द के विचारों से अत्यधिक प्रभावित थे। उनके बताये आदर्शों को आत्मसात् करते हुये गुरूजी ने इस महाविद्यालय को आर्य समाज के सिद्धान्तों पर आधारित किया। नारी उत्थान एवं स्वावलम्बन इस महाविद्यालय का अंतिम लक्ष्य एवं उद्देश्य रहा है जिसके लिए गुरूजी आजीवन समर्पित रहे तथा नारी सशक्तिकरण को अपने जीवन का अंतिम ध्येय बनाते हुये त्यागी-तपस्वी-मनीषी के रूप में जीवन व्यतीत किया। गुरूजी ने भारतीय संस्कृति को अच्छी तरह पहचाना और पूरी शक्ति एवं आत्मविश्वास के साथ उसके संवर्द्धन एवं परिष्करण में लगे रहे। अपना सर्वस्व न्यौछावर करते हुये नारी उत्थान का वीणा उठाया साथ ही संस्कृत भाषा को भी अनेक पुस्तकें देकर समृद्ध किया। उनकी प्रमुख कृतियों में किरातार्जुनीयम् नीतिशतकम् एवं शिशुपालवधम् आदि पर लिखे उनके भाष्य प्रसिद्ध है।

वर्ष 1989 में आप को विश्व संस्कृत प्रतिष्ठान से सम्मानित किया गया। स्वामी विवेकानन्द पर रचित आपके गीत को विवेकानन्द केन्द्र ने ''यूनेस्को'' भेजा है। आपको पूर्वांचल गौरव पुरस्कार से भी विभूषित किया गया है। जन-सहयोग से महाविद्यालय स्थापना के भगीरथ प्रयास के लिए आपको 'गोरखपुर के मालवीय' के रूप में प्रतिष्ठित किया जाता रहा है। आपके सपनो का साकार रूप यह चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी०जी० कालेज आपके संकल्प सिद्धि के लिए सतत प्रयत्नशील है।

Scanned with OKEN Scanner

# स्मृतिशेष...

## डॉ. रामरक्षा पाण्डेय (गुरू जी)

(1938 - 2019)

Scanned with OKEN Scanner

# स्मृतियाँ जिनकी हैं शेष...

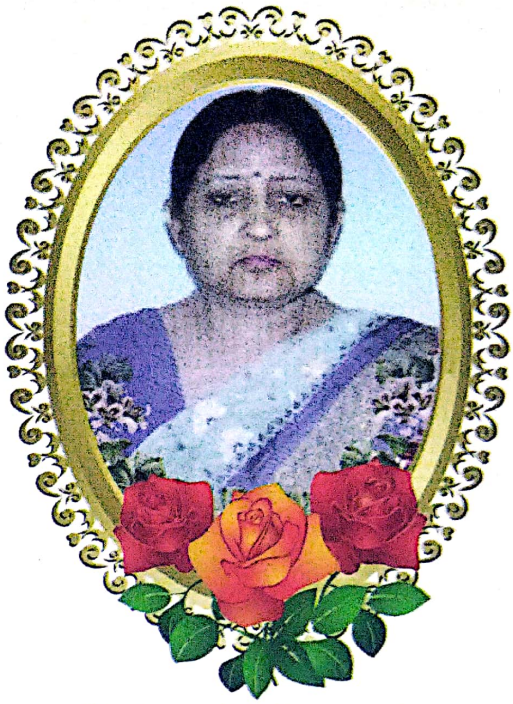

स्मृतिशेष (श्रीमती) डॉ. रंजना

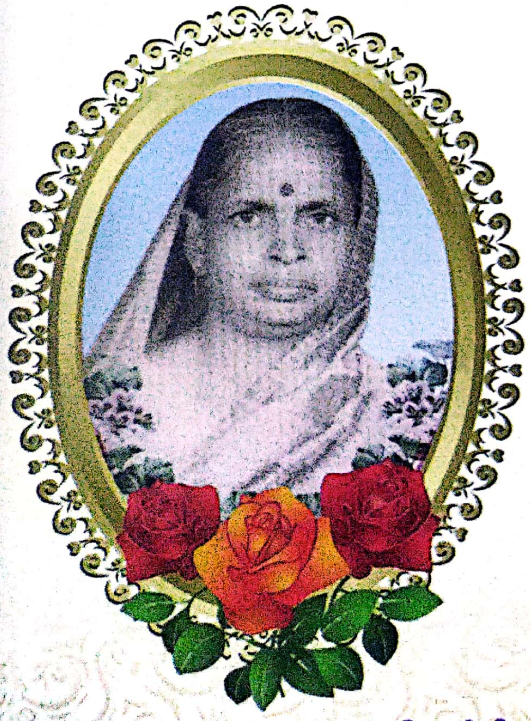

स्मृतिशेष (श्रीमती) चन्द्रकान्ति देवी

स्मृतिशेष (श्रीमती) कमला देवी जैन

Scanned with OKEN Scanner

योगी आदित्यनाथ

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

लोक भवन
लखनऊ - 226001

दिनांक : 12-12-2019

# शुभकामना सन्देश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी०जी कॉलेज, गोरखपुर द्वारा अपनी वार्षिक पत्रिका 'अग्रिमा' का प्रकाशन किया जा रहा है।

राष्ट्र निर्माण में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यालय सारस्वत साधना के केन्द्र होते हैं, जहाँ नई पीढ़ी का निर्माण किया जाता है। शिक्षण संस्थाओं द्वारा प्रकाशित की जाने वाली पत्रिकाएँ विद्यार्थियों को अपने विचारों को प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करने के साथ ही उनकी सृजनात्मक शक्ति को भी परिष्कृत करती है। इन पत्रिकाओं में संस्थान की शैक्षिक गतिविधियों का समावेश भी होता है। मुझे आशा है कि यह पत्रिका छात्राओं की रचनात्मक अभिव्यक्तियों से परिपूर्ण होगी।

वार्षिक पत्रिका 'अग्रिमा' के उद्देश्यपरक प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

योगी आदित्यनाथ
मुख्य मंत्री (उ०प्र०)

Scanned with OKEN Scanner

प्रो. वी. के. सिंह
कुलपति

Prof. V. K. Singh
Vice Chancellor

दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय
गोरखपुर-273009 (उ0प्र0)

D.D.U. Gorakhpur University
Gorakhpur-273009 (U.P.)

दिनांक : 02-12-2019

# शुभकामना सन्देश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि इस विश्वविद्यालय से सम्बद्ध चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी०जी० कॉलेज, गोरखपुर द्वारा वार्षिक पत्रिका 'अग्रिमा' का प्रकाशन किया जा रहा है।

चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी०जी० कॉलेज, गोरखपुर ने अपनी शैक्षणिक यात्रा में देश व समाज की बेहतर सेवा के लिए हजारों योग्य नागरिक तैयार किये हैं और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पारम्परिक एवं आधुनिक तकनीकों से समन्वय स्थापित करते हुए सफलता की ओर सदैव अग्रसर है। मैं, आशा करता हूँ कि प्रकाशित होने वाली पत्रिका विद्यार्थियों एवं समाज के लिए ज्ञानवर्द्धक तथा प्रेरणादायक सिद्ध होगी। आपका यह प्रयास सराहनीय है।

मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए सम्पादक मण्डल सहित महाविद्यालय परिवार के सभी शिक्षकों, छात्र-छात्राओं एवं कर्मचारियों को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

(प्रो. वी. के. सिंह)
कुलपति

Scanned with OKEN Scanner

पुष्प दन्त जैन
उपाध्यक्ष

अ.शा.प.सं.
उत्तर प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड
उत्तर प्रदेश सरकार
8वाँ तल, जवाहर भवन, अशोक मार्ग, लखनऊ
फोन : (0522) 2288603, 2288602

दिनांक : 02-12-2019

# शुभकामना सन्देश

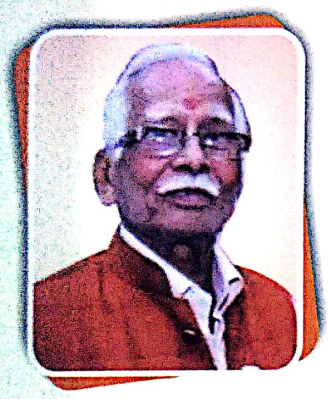

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी०जी० कालेज, गोरखपुर में महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका ''अग्रिमा'' का प्रकाशन हो रहा है। अपनी स्थापना वर्ष 1990 के बाद से ही यह महाविद्यालय महिला शिक्षा की अलख जगाता हुआ निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है तथा नित नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है ।

पत्रिकाएँ छात्राओं के सृजनात्मकता को मुखरित करती है। मै पत्रिका सम्पादन हेतु समस्त महाविद्यालय परिवार एवं विशेष रूप से पत्रिका सम्पादक मण्डल को साधुवाद देता हूँ।

शुभ कामनाओं के साथ !

पुष्प दन्त जैन
अध्यक्ष
महाविद्यालय प्रबन्ध समिति

Scanned with OKEN Scanner

डा0 राधा मोहन दास अग्रवाल
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (शिशु रोग)
नगर विधायक, गोरखपुर

दिनांक : 05-12-2019

# शुभकामना सन्देश

चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी०जी० कालेज, गोरखपुर ने अपने स्थापना के साथ ही महिला शिक्षा को लेकर समाज की सोच में क्रान्तिकारी परिवर्तन लाने में सफलता प्राप्त की है। इस महाविद्यालय की उच्चकोटि की गुणवत्ता युक्त शिक्षा ने न केवल छात्राओं को योग्यता सम्पन्न एवं स्वावलम्बी बनाया है, बल्कि उनका सशक्तिकरण भी किया है।

वार्षिकोत्सव के अवसर पर ''अग्रिमा'' के प्रकाशन पर शुभकामनाओं के साथ !

राधामोहन दास अग्रवाल
नगर विधायक

Scanned with OKEN Scanner

# शुभकामना सन्देश

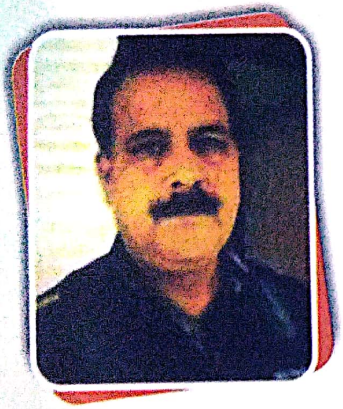

चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी०जी० कालेज, गोरखपुर, शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियों के क्षेत्र में लगातार प्रगति की ओर अग्रसर है। यह महाविद्यालय गोरखपुर परिक्षेत्र में स्त्री शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित हुआ है।

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि अप्रैल 2019 में महाविद्यालय का नैक (NAAC) मूल्यांकन भी सम्पन्न हुआ है जो उपलब्धि का विषय है। पत्रिका 'अग्रिमा' के माध्यम से महाविद्यालय की छात्राओं को अपनी रचनात्मकता एवं विचार अभिव्यक्ति का एक उत्तम मंच प्राप्त होगा।

यह आशा करता हूँ, पत्रिका अपने लक्ष्य को प्राप्त करेगी, साथ ही पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु सम्पादन मण्डल को हार्दिक शुभकामनाएँ।

**डॉ0 राकेश कुमार मिश्रा**
**प्रबन्धक**
**च.र.दे.आर्य महिला पी.जी. कालेज, गोरखपुर**

Scanned with OKEN Scanner

# शुभकामना सन्देश

महाविद्यालय की पत्रिका 'अग्रिमा' वह सुलभ मंच है जहाँ छात्राओं को अपने विचार व्यक्त करने का सहज अवसर प्राप्त होता है। सृजनात्मकता प्रायः नैसर्गिक गुण है, उसे पल्लवित और पुष्पित करने के लिए मात्र प्रेरणा की आवश्यकता होती है। युवाओं के अन्दर बहुत अधिक संभावनाएं होती है, आवश्यकता होती है एक माध्यम की। महाविद्यालय की पत्रिका इन युवा लेखकों को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक अद्भुत माध्यम प्रदान करती है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि पत्रिका का यह अंक भी छात्राओं को अपने रचनात्मक कौशल को बढ़ाने और सुधारने का अवसर प्रदान करेगा। पत्रिका प्रकाशन में अपने विचार लेख, कवितायें इत्यादि के माध्यम से सहयोग करने वाले सभी प्रवक्तागण एवं छात्राएं साधुवाद के पात्र हैं।

मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु सम्पादक मण्डल एवं छात्राओं को शुभकामना प्रेषित करती हूँ। महाविद्यालय की सभी छात्राओं का भविष्य उज्ज्वल हो यह मेरी हार्दिक शुभकामना है।

**डॉ. अपर्णा मिश्रा**
प्राचार्या

Scanned with OKEN Scanner

# महाविद्यालय की प्रगति आख्या

महायोगी श्री गुरू गोरक्षनाथ जी की पावन तपोभूमि गोरखपुर में बसे ''चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी0जी0 कॉ0 गोरखपुर की स्थापना ''चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला कल्याण संस्थान'' द्वारा कार्तिक नवमी के दिन संवत 2047 सन् 1990 को हुई। इस संस्थान का उद्देश्य महिलाओं के सामाजिक आर्थिक एवं शैक्षणिक उत्थान के साथ-साथ छात्राओं का सर्वांगीण विकास करते हुए भारतीय संस्कृति, सभ्यता, भाषा, साहित्य, कला एवं विज्ञान का संरक्षण एवं संवर्धन करना है।

महाविद्यालय में कला संकाय के अन्तर्गत स्नातक स्तर पर कुल ग्यारह विषयों का पठन-पाठन होता है। जिसमें हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, प्रा0 इतिहास, समाजशास्त्र, कम्प्यूटर, गृह विज्ञान, मंचकला, दृश्यकला, राजनीति विज्ञान, शिक्षा शास्त्र तथा वाणिज्य के अन्तर्गत बी0काम0 पाठ्यक्रम संचालित है। स्नातकोत्तर स्तर पर राजनीति शास्त्र, गृह विज्ञान, शिक्षा शास्त्र एवं दृश्यकला विषय का संचालन किया जा रहा है। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत सन् 2005-06 से बी0एड0 की कक्षाएं तथा सत्र 2007-08 से एम0एड0 की कक्षाएं भी संचालित हैं। वर्ष 2010-11 से बी0एस0सी0 (गृह विज्ञान) पाठ्यक्रम संचालित है।

महाविद्यालय की मेधावी छात्राएं अपनी सर्वोत्कृष्ट उपलब्धियों से महाविद्यालय को गौरवान्वित करती आ रही हैं। प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी N.C.C. के अन्तर्गत महाविद्यालय की कैडेट को वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में चैम्पियनशिप प्राप्त हुआ। महाविद्यालय की चार एन0सी0सी0 कैडेट-पंक्षी, नाजिया, प्रियदर्शिनी एवं मनीषा ने इण्टर ग्रुप कम्पटीशन नोएडा में प्रतिभाग करके गोरखपुर ग्रुप को प्रथम स्थान दिलाया। कैडेट नम्रता सिंह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता 'थल सैनिक कैम्प' दिल्ली के लिए चयनित हुई। महाराणा प्रताप द्वारा आयोजित बेस्ट कैडेट प्रतियोगिता में खुशबू साहनी को महामहिम राज्यपाल द्वारा बेस्ट कैडेट का अवार्ड दिया गया। इसके अतिरिक्त पाँच कैडेट-अर्चिता, सुष्मिता, खुशबू, रूचि एवं तृप्ति सिक्किम ट्रेकिंग कैम्प के लिए चयनित हुई। प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी महाविद्यालय की एन0सी0सी0कैडेट रूचि त्रिपाठी का चयन प्री0आर0डी0 परेड के लिए हुआ।

महाविद्यालय में एन0एस0एस0 तथा रोवर्स रेंजर्स की इकाइयां भी संचालित है, जो अपने विभिन्न सामुदायिक सेवा कार्यक्रमों का संचालन वर्ष भर करती रहती हैं एवं जनजागरूकता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाती हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाएं प्रतिवर्ष आर0डी0सी0 परेड के लिए चयनित होती रही हैं। इस श्रृंखला में इस वर्ष भी स्वयंसेविका पूजा प्रजापति का चयन पहले प्री0आर0डी0 परेड के लिए पुनः राजपथ दिल्ली में आर0डी0 परेड हेतु किया गया। पूजा ने अपनी योग्यता एवं कुशलता से विभिन्न महाविद्यालयों के बीच चयनित होकर महाविद्यालय का मान बढ़ाया।

यह महाविद्यालय छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए क्रियाशील एवं प्रतिबद्ध है। महाविद्यालय में छात्राओं के साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक विकास हेतु वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होता रहता है। महाविद्यालय के पत्रिका सम्पादन समिति द्वारा प्रतिवर्ष वार्षिक पत्रिका ''अग्रिमा'' का प्रकाशन किया जाता है जिससे छात्राओं की रचनात्मकता का प्रस्फुटन भी होता है और उनका मार्गदर्शन भी होता है।

Scanned with OKEN Scanner

# विश्वविद्यालय द्वारा स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली महाविद्यालय की मेधावी छात्राएं

**शिप्रा तिवारी**
एम.ए. - दृश्य कला
79.7%

**शालिनी**
एम.ए. - गृहविज्ञान
78.5%

**अन्नपूर्णा त्रिपाठी**
एम.ए. - गृहविज्ञान
80.33%

Scanned with OKEN Scanner

**आस्था श्रीवास्तवा**
स्नातक-74.22%

**नमिता त्रिपाठी**
एम.एड.-70.57%

**उर्मि मित्रा**
एम.एड.-71.42%

**अनामिका उपाध्याय**
एम.ए.गृहविज्ञान-77.88%

**चांदनी जायसवाल**
एम.ए. गृहविज्ञन-79.55%

**तपस्या जायसवाल**
एम.ए. राजनीतिशास्त्र-62.5%

**सुनिधि गुप्ता**
बी.एस.सी.-गृहविज्ञान-80%

**स्नेहलता यादव**
एम.ए.-गृहविज्ञान-82%

**प्रीति गुप्ता**
एम.ए.-गृहविज्ञान-79%

**संगीता चौधरी**
एम.ए.-शिक्षाशास्त्र-66.8%

**प्रशंसा मद्धेशिया**
एम.ए.-गृहविज्ञान-81%

**भावना पाण्डेय**
एम.ए.-शिक्षाशास्त्र-81%

Scanned with OKEN Scanner

# सत्र 2018-19 में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली महाविद्यालय की मेधावी छात्राएं

**पल्लवी गौंड**
बी.ए.
66.9%

**जिज्ञासा तिवारी**
बी.एस सी. - गृहविज्ञान
67.7%

**मुस्कान सिंह**
बी.काम.
66.17%

**शालिनी**
एम.ए. - गृहविज्ञान
78.5%

**शैली दूबे**
एम.ए.- राजनीति विज्ञान
61.6%

**रितू यादव**
एम.ए. - शिक्षाशास्त्र
58.2%

**शिवांगी**
एम.ए. - दृश्य कला
76.4%

**अर्चना दूबे**
बी.एड.
80.8%

**मिश्रा भारती राज किशोर**
एम.एड.
74.4%

Scanned with OKEN Scanner

# सत्र 2019 में शोध पात्रता (RET) परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली महाविद्यालय की मेधावी छात्राएं

**श्रीमती स्वप्निल पाण्डेय**
पूर्व छात्रा - एम.ए.
(राजनीतिशास्त्र)

**श्रीमती देवता पाण्डेय**
पूर्व छात्रा - बी.एड.
(शिक्षाशास्त्र)

**प्रिया सिंह**
पूर्व छात्रा - एम.एड.
(शिक्षाशास्त्र)

**श्रुति पाठक**
छात्रा - एम.एड
(भौतिकी)

**कु0 सविता**
पूर्व छात्रा - एम.एड
(हिन्दी)

**कु0 पूनम**
पूर्व छात्रा - एम.एड.
(शिक्षाशास्त्र)

**श्रीमती सुनीता**
पूर्व छात्रा - एम.एड
(शिक्षाशास्त्र)

**कु0 प्रतिभा**
पूर्व छात्रा - एम.एड.
(शिक्षाशास्त्र)

**कामिनी त्रिपाठी**
पूर्व छात्रा - एम.एड
(शिक्षाशास्त्र)

**आकांक्षा त्रिपाठी**
पूर्व छात्रा - एम.एड
(शिक्षाशास्त्र)

Scanned with OKEN Scanner

# विषय अनुक्रमणिका

## { खण्ड [illegible] – हिन्दी अनुभाग }


| क्र. सं. | विषय | लेखक | पृष्ठ सं. |
|---|---|---|---|
| 1. | अध्ययन का मनोविज्ञान | कु0 श्वेता | 1-2 |
| 2. | नमन है नमन एवं भवन के रूप में | सुशीला गुप्ता | 3 |
| 3. | कला का उद्देश्य अलौकिक आनन्द प्राप्त करना है | श्वेता मिश्रा | 4 |
| 4. | नारी | अंजली त्रिपाठी | 5 |
| 5. | राष्ट्र के विकास में विद्यार्थी का योगदान | नम्रता चौधरी | 6 |
| 6. | 'डल' का दर्पण फिर चमकेगा | प्रांजल सिंह | 7 |
| 7. | आर्टिकल 370 हटने के 30 दिन | समीक्षा तिवारी | 8-9 |
| 8. | वो बचपन अच्छा था | प्रिया पाण्डेय | 9 |
| 9. | प्राचीन भारत के प्रमुख शिक्षा केन्द्र | अनुराधा विश्वकर्मा | 10-11 |
| 10. | अंधकार में है इतनी ताकत कहाँ | प्रीति | 12 |
| 11. | जीवन की एक आस है बेटी | तृप्ति चौरसिया | 12 |
| 12. | भारतीय लोक कला | रश्मि गुप्ता | 13 |
| 13. | पूरब से पश्चिम तक | ज्योति साहू | 14 |
| 14. | हिन्दी भारत को दर्शाती है | साक्षी गुप्ता | 15 |
| 15. | छात्र क्या चाहते हैं एवं स्थिति | शालिनी सिंह | 16 |
| 16. | भारतीय कला और संस्कृति | अम्बिका पटेल | 17 |
| 17 | वक्त है बदलता जाता है | मधुलिका मिश्रा | 18 |
| 18. | मैं बोझ नहीं हूँ | रैना सिंह | 18 |
| 19. | समय का महत्व | विजय लक्ष्मी सिंह | 19 |
| 20. | पर्यावरण | तृप्ति चौरसिया | 20 |
| 21. | खानापूर्ति का नतीजा | आस्था श्रीवास्तव | 20 |
| 22. | भारतीय कला का महत्व | छवि श्रीवास्तव | 21 |
| 23. | पेड़ लगाओ | संतोषी साहनी | 22 |


Scanned with OKEN Scanner

# प्राध्यापक मण्डल

| क्र.सं. | नाम | पदनाम | विभाग |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ0 सुमन सिंह | सहायक आचार्य | हिन्दी विभाग |
| 2. | डॉ0 ज्योत्स्ना त्रिपाठी | सहायक आचार्य | दृश्यकला विभाग |
| 3. | डॉ0 रेखा रानी शर्मा | सहायक आचार्य | दृश्यकला विभाग |
| 4. | सुश्री श्वेता वर्मा | सहायक आचार्य | दृश्यकला विभाग |
| 5. | डॉ0 सारिका जायसवाल | सहायक आचार्य | गृहविज्ञान विभाग |
| 6. | श्रीमती प्रियम्बदा त्रिपाठी | सहायक आचार्य | गृहविज्ञान विभाग |
| 7. | श्रीमती अनिता सिंह | सहायक आचार्य | गृहविज्ञान विभाग |
| 8. | सुश्री पूजा गुप्ता | सहायक आचार्य | गृहविज्ञान विभाग |
| 9. | डॉ0 रीता | सहायक आचार्य | गृहविज्ञान विभाग |
| 10. | श्रीमती सुनिधि गुप्ता | सहायक आचार्य | गृहविज्ञान विभाग |
| 11. | सुश्री अर्चना श्रीवास्तव | सहायक आचार्य | गृहविज्ञान विभाग |
| 12. | डॉ0 आस्था प्रकाश | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र विभाग |
| 13. | पवन कुमार | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र विभाग |
| 14. | डॉ0 शिवानी श्रीवास्तव | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र विभाग |
| 15. | श्रीमती स्वप्निल मिश्रा | सहायक आचार्य | राजनीतिशास्त्र विभाग |
| 16. | डॉ0 प्रीति त्रिपाठी | सहायक आचार्य | राजनीतिशास्त्र विभाग |
| 17. | श्री विवेक कुमार शुक्ल | सहायक आचार्य | राजनीतिशास्त्र विभाग |
| 18. | डॉ0 प्रियतोष कुमार मिश्र | सहायक आचार्य | वाणिज्य विभाग |
| 19. | डॉ0 धीरज कुमार | सहायक आचार्य | वाणिज्य विभाग |
| 20. | डॉ0 राकेश कुमार वर्मा | सहायक आचार्य | वाणिज्य विभाग |
| 21. | डॉ0 अमिता अग्रवाल | सहायक आचार्य | प्राचीन इतिहास विभाग |
| 22. | डॉ0 निशा श्रीवास्तवा | सहायक आचार्य | मंचकला विभाग |
| 23. | श्री जसवंत सिंह | सहायक आचार्य | मंचकला विभाग |
| 24. | सुश्री अंजली शुक्ला | सहायक आचार्य | कम्प्यूटर एप्लिकेशन विभाग |
| 25. | श्री शंकर थापा | सहायक आचार्य | कम्प्यूटर एप्लिकेशन विभाग |
| 26. | सुश्री प्रिया कुमारी | सहायक आचार्य | समाजशास्त्र विभाग |
| 27. | श्री अरूण मणि पाण्डेय | सहायक आचार्य | संस्कृत विभाग |
| 28. | सुश्री दिव्या शर्मा | सहायक आचार्य | अंग्रेजी विभाग |
| 29. | श्रीमती श्रद्धा मिश्रा | पुस्तकालयाध्यक्ष | पुस्तकालय |
| 30. | सुश्री रीना | प्रशिक्षिका | फैशन डिजाइनिंग |



Scanned with OKEN Scanner